Unit-IV / इकाई-IV

8. How did Jain thinker criticise Buddhist doctrine of Sunyata? 20

जैन विचारकों ने बौद्धों के शून्यता के सिद्धान्त की आलोचना किस प्रकार की है?

9. Discuss the arguments given by Mallisena to criticise the Naiyâyika conception of God.

नैयायिकों के ईश्वर सम्बन्धी विचार की आलोचना के लिए मल्लिषेण द्वारा दिये गये तर्कों की विवेचना कीजिए। 20

A **(Printed Pages 4)**

Roll No. _____

AS-1907

M.A. (Semester-IV) Examination, 2015

PHILOSOPHY

Paper-II

(Selected Classics-II)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

Note : Answer **five** questions in all. Question **No. 1** is **compulsory**. One question is to be attempted from each unit.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न **संख्या 1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है।

1. Write short notes on the following : 5×6=30

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×6=30

(a) Avinâbhâva Sambandha

अविनाभाव सम्बन्ध

(b) Asiddha-Hetvabhava according to Dharmkirti.

धर्मकीर्ति के अनुसार असिद्ध हेत्वाभाव

(c) Praman-Vyavastha

प्रमाण-व्यवस्था

(d) Anekantvada

अनेकान्तवाद

(e) Distinction between Attributes and Modes

गुण और पर्याय में भेद

Unit-I / इकाई-I

2. Explain the nature of Right knowledge according to Nyaya-Bindu. 20

न्याय-बिन्दु के अनुसार सम्यक् ज्ञान के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

3. Describe the theory of Pramânas accepted by Dharmakirti. 20

धर्मकीर्ति द्वारा स्वीकार किये गये प्रमाणों के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

Unit-II / इकाई-II

4. Discuss the concept of Perceptron according to Nyaya-Bindu. 20

न्यायबिन्दु के अनुसार प्रत्यक्ष की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

5. Explain the concept of Anuman according to Dharmakirti. 20

धर्मकीर्ति के अनुसार अनुमान के प्रत्यय की विवेचना कीजिए।

Unit-III / इकाई-III 20

6. Discuss the concept of soul according to Syâdvâdmanjari. 20

स्याद्वाद मंजरी के अनुसार आत्मा के अवधारणा की चर्चा कीजिए।

7. Describe the nature of Pramâna and Naya according to Syadvadmanjari. 20

स्याद्वादमंजरी के अनुसार प्रमाण तथा नय के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।